

भूमिका

देना गया है कि हिन्दुस्तान के स्कूलों की पराई में एक
दा दोष यह है कि स्कूलों का जितनी बातें जाननी चाहिए
मने अधिक सिखाई जाती हैं। इनमें विशेष करके
भूगोल की शिक्षा की बहुत हानि पहुँचती है। बहुत सी बातें
जानने की धुन में शिक्षक उसके कार्य तथा कारणों पर पर्याप्त
ध्यान नहीं दे सकते हैं। इसका यह फल होता है कि विद्यार्थी
भूगोल की बातों की दिना सनके रट में हैं और वे बातें
गोम हो भूल जाती हैं। इस बात को दूर करने के लिए
भूगोल को इन पुस्तकालयों में केवल मुख्य मुख्य बातें बताई गई हैं
और कार्य तथा कारणों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रसिद्ध भूगोल-शास्त्रज्ञ श्री ए० जे० हर्वर्टसन का प्रसिद्धान्त है कि भूगोल की पुस्तकों में यथासम्भव ऐसे स्थानों के नाम न लिखे जायें जिनके बिना काम चला सकता हो और केवल उन स्थानों के ही नाम लिखने लिए चुने जायें जिनके लिए भूगोल-सम्बन्धी कोई विशेष कारण हो ।

सूची-पत्र

संख्या

दिनांक

योग्य वा प्रासंगिक भूगोल

१. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
२. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
३. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
४. योग्य क्षेत्र समुद्र-ऊपर, १८८५-८६ क्षेत्र समुद्र-ऊपर
५. योग्य क्षेत्र समुद्र-ऊपर
६. योग्य क्षेत्र समुद्र-ऊपर
- (१) काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
- (२) काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
- (३) काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
- (४) काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
- (५) काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
- (६) काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर

योग्य वा प्रासंगिक भूगोल

१. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
२. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
३. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
४. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
५. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
६. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
७. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
८. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
९. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१०. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
११. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१२. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१३. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१४. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१५. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१६. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१७. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१८. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
१९. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर
२०. काला क्षेत्र समुद्र-ऊपर

अध्याय	विषय	पृ.
--------	------	-----

अफ्रीका का प्रारम्भिक भूगोल

१	अफ्रीका का समुद्र-तट तथा धरातल	... १२८
२	अफ्रीका का जलवायु, वनस्पति, जीवजन्तु तथा निवासी	... १२९
३	अफ्रीका के देश	... १३१

आस्ट्रेलिया तथा न्यूज़ीलैंड का प्रारम्भिक भूगोल

१	आस्ट्रेलिया की स्थिति, समुद्र-तट तथा धरातल	.. १८३
२	जलवायु, वनस्पति और जीवजन्तु	... १८४
३	आस्ट्रेलिया के निवासी तथा बड़े नगर	... २०१
४	न्यूज़ीलैंड तथा प्रशान्त महासागर के अन्य द्वीप	.. २०१

प्राकृतिक भूगोल

इसके	.. २१४
------	--------





योरप का प्रारम्भिक भूगोल

पहला अध्याय

सागर और समुद्र-तट

तुम पढ़ चुके हो कि भूगोल के विचार से योरप कोई अलग हाद्वीप नहीं है बल्कि एक बहुत बड़ा प्रायद्वीप है जो यूरेशिया के बड़े हाद्वीप में पश्चिम की ओर निकला हुआ है। एशिया और योरप के मिलने से स्थल का एक बहुत बड़ा भाग बनता है जिसको यूरेशिया कहते हैं। तुम यह भी जानते हो कि इन दोनों को एक महाद्वीप मानने के क्या कारण हैं। प्रथम तो इन दोनों के बीच में कोई स्वाभाविक सीमा नहीं है। द्वितीय इनकी बड़ी बड़ी प्राकृतिक दशाएँ एक ही प्रकार की हैं। अर्थात् उत्तरी एशिया का बड़ा मैदान पश्चिम की ओर योरप तक फैला हुआ है और इस मैदान के दक्षिण की ओर जो पर्वत-श्रृंखलाएँ हैं वे एशिया और योरप में इस ओर से उस ओर एक चली गई हैं। इस श्रृंखला के एक ओर एशिया में पैसिफिक महासागर है और दूसरी ओर योरप में एटलांटिक महासागर है।

यदि भौगोलिक विचार से एशिया और योरप एक ही महाद्वीप है तो इनका अलग अलग वर्णन करना क्यों आवश्यक है? इसके मुख्य कारण ये हैं:—

(क) योरप की उन्नति तथा इतिहास शताब्दियों से एशिया से सर्वथा भिन्न है।

(ख) मध्य में स्टेप के मैदान तथा मरुस्थलों के स्थित होने से योरप के बहुत से देश एशिया के प्रान्तों से अलग हो गये हैं।

(ग) व्यापार तथा कला-कौशल में योरप दुनिया भर में सबसे अधिक वृद्धि के शिखर पर है ।

यदि तुम इन तीनों बातों पर ध्यान से विचार करो तो तुमको विदित होगा कि भूगोल के विचार से पृथ्वी के किसी खण्ड को अलग महाद्वीप मानने के लिए नीचरी बात सबसे अधिक महत्व की है, क्योंकि देश का व्यापार और वहाँ के निवासियों के उत्थन इस बात पर निर्भर है कि वहाँ के समुद्रतट, पहाड़, नदियाँ, गर्मी, सर्दी तथा जलवृष्टि का परिमाण कैसा है । इसलिए हमको देखना चाहिए कि योरप के निवासियों के लिए कला-कौशल और व्यापार में वृद्धि करने के कौन कौन से विशेष कारण हैं ।

(अ) स्थान—दुनिया के स्थल भौतदार्थ के नक्शे देखो । योरप इसके केन्द्र पर स्थित है जहाँ से यह और महाद्वीपों के साथ सुगमता के साथ व्यापार कर सकता है ।

(ब) जलवायु—योरप किन अर्धराश्ट्र रेखाओं के बीच में है छोटे से भाग को छोड़कर योरप का शेष सम्पूर्ण महाद्वीप शीतोष्ण कटिबन्ध में है, इसलिए जलवायु साधारणतः भारोग्मय है, निवासी सम्पूर्ण वर्ष कठिन परिश्रम कर सकते हैं और अपने महाद्वीप के बड़े बड़े प्राकृतिक साधनों से पूरा लाभ उठा सकते हैं । यहाँ न अति गर्मी पड़ती है न अधिक सर्दी । वर्षा इतनी अधिक नहीं होती कि प्रतिवर्ष बाढ़ आ जाय या अधिक नमी रहे और न इतनी कम हो कि सूखा पड़ जाय और अकाल का भय रहे ।

(स) समुद्रतट—चेन्नई के विचार से योरप की तटी रेखा सब महाद्वीपों की अपेक्षा बड़ी है । तुम यह बुझे हो कि यहाँ से समुद्री व्यापार को बड़ा लाभ होता है । केन्द्र एवं किनारे के कुछ भाग समुद्र से दूर है । अन्य सब भाग किसी न किसी समुद्र से जुड़े हैं । इसलिए जहाँ सामुद्रिक जीवन से भय है वहाँ और समुद्र का पूरा लाभ उठाया है । इस महाद्वीप में

मदिये और नहरों की अधिकता है इसलिए समुद्र-तट के बन्दरगाहों से माल सुगमता से देशों के मध्य भाग तक आ सकता है।

(६) खनिज पदार्थ—योरप की वसति का एक मुख्य कारण यहाँ के खनिज पदार्थ हैं, विशेषकर कोयला और लोहा। खनिज पदार्थ सेतार के व्यवसाय की जड़ हैं। योरप में इनका प्राप्ति पास पाया जाना एक गुण है।

योरप के समुद्र-तट—योरप तीन ओर में से दो ओर समुद्र से घिरा है। दक्षिण-पूर्व की ओर के भीतरी सागरों के नाम तो तुम पढ़ ही चुके हों, क्योंकि ये एशिया की सीमा पर स्थित हैं। पूर्व में कारिबियन सागर है। इसका बिना सागर से कोई सम्बन्ध नहीं है। इसी लिए यद्यपि इसमें यूरोप और थालगा मदिरा गिरती है फिर भी इसमें बहुत कम व्यापार होता है। थालगा नदी के मुहाने पर जो एक बन्दरगाह पेरशारवान स्थित है वह भी जाड़े के दिनों में तीन महीने तक हिम से ढका रहता है।

थाला सागर—यह बहुत गरम है, इस कारण इसका जल सदैव बहा रहता है। इस पर कश्मिरी और कुटिरे की जलिया रहती हैं। इसमें कारिबियन सागर से कश्मिरी व्यापार होता है, क्योंकि यह भूमध्य सागर से वास्तुकोरस, मार-सागर और टार्टनेलिस के जलसेवाजक द्वारा मिला है।

इसका व्यापारिक बाल सागर और एजियन सागर के मध्य में का
इसमें जो प्रथम सागर है वह थाला है। थाला का जल
थाला का जल बहुत गर्म होता है। यह जल बहुत ही
थाला का जल बहुत ही गर्म होता है। यह जल बहुत ही
थाला का जल बहुत ही गर्म होता है। यह जल बहुत ही
थाला का जल बहुत ही गर्म होता है। यह जल बहुत ही

भूमध्य सागर दुनिया में सबसे बड़ा और प्रसिद्ध मीनरी सागर है। इसकी लम्बाई २,३०० मील है। यह पूर्वी देशों तथा



मे। मैं इस माता के सिरे पर एक दूसरे के टिक मानने हैं। महा-
देव के माता माता के जाने के लिए दोनों बहुत ही दयागामी मान हैं।



भूमध्य सागर दुनिया में सबसे बड़ा और प्रसिद्ध भीतरी सागर है। इसकी क्षमताई २,३०० मील है। यह पूर्वी देशों तथा



भूमध्य सागर

योरप के बीच में व्यापार का अत्युत्तम बड़ा मार्ग है, क्योंकि यह १०० मील लम्बी नहर स्वेज़ के द्वारा काल सागर से मिला हुआ है।

नक्शे में देखो कि योरप के भी दक्षिणी किनारे पर एशिया की भांति तीन बड़े बड़े प्रायद्वीप हैं। इटली प्रायद्वीप और इसके नीचे के द्वीप सिसिली ने भूमध्य सागर को दो भागों में बाँट दिया है। इन दोनों भागों को मिलातेवाले जलसंयोगक के कुछ पूर्व की ओर माल्टा द्वीप है जो अंगरेजों के अधिकार में है। यह स्थान बहुत उपयोगी है क्योंकि जिब्राल्टर के जलसंयोगक और नहर स्वेज़ के बीच मध्य में है।

बासकन प्रायद्वीप के बीच में आज़ाने से भूमध्य सागर का पूर्वी भाग दो भागों में बाँट गया है। ईजियन सागर हम प्रायद्वीप के पूर्व में है। हमका किनारा बहुत कटा हुआ है और हममें यूनान द्वीपसमूह के अत्यन्त सुन्दर तथा खूबसूरत द्वीप हैं। हमके दक्षिण में लीबिया और मिस्र द्वीप मिले हैं। इसकी दूरी शाखा का नाम एड्रियाटिक सागर है। हमके समुद्र-तट ऐसे कटे हुए नहीं हैं जैसा कि इजियन सागर के हैं। वे अधिकतर सीधे हैं। इस सागर के उत्तर में ट्रियस्ट और वेनिस के बन्दरगाहों को नक्शे में

हैं। ये इस सागर के तट पर एक दूसरे के ठीक सामने हैं। महा-
सागर के भीतर मानव को जाने के लिए दोनों बहुत ही उपयोगी स्थान हैं।



पश्चिमी घोरप

भूमध्य सागर का पश्चिमी भाग पूर्वी भाग के सदृश स्थल को
द्वारा काटना हुआ नहीं चला गया है इसलिए इस सागर व्यापार के
बहुत सुभीता नहीं है, फिर भी इसमें कई बड़े बड़े व्यापारिक बन्दरगाह

हैं। जैसे नेपल्स इटली का प्रसिद्ध बन्दरगाह है। जेनोआ इटली के पश्चिम में ऐसे ही अच्छे स्थान पर है जैसा कि पूर्व में वेनिस है। मार्सेल्लु दक्षिणी फ्रांस का बन्दरगाह है। स्पेन की पूर्वी समुद्रतट पर बार्सेलोना सबसे बड़ा बन्दरगाह है। भूमध्य सागर के इस भाग के बड़े बड़े द्वीपों को भी नक़्शे में देखो। सारदिनिया द्वीप इटली के, कोर्सिका फ्रांस के और बलियारिक द्वीप समूह स्पेन के अधिकार में हैं।

जिब्राल्टर का अठसोवांशक भूमध्य सागर के परिचामी सिरे पर है। यह केवल १० मील चौड़ा है। जिब्राल्टर का पहाड़ी दुर्ग जो इस अठमार्ग के उत्तर में है, ब्रिटिशों के अधिकार में है। हम स्थानीय तुलना करने से कहेंगे जो एशिया के दक्षिण-पश्चिम में है। दोनों दुर्ग उत्तरी एटलांटिक महासागर और हिन्द महासागर के बीच के समुद्री मार्ग की रक्षा करते हैं।

योरप में एटलांटिक महासागर के समुद्र-तट उत्तर की ओर बहुत दूर तक लगे रहते हैं परन्तु एशिया के पूर्वी किनारे पर ब्लाडीवोस्टोक का बन्दरगाह जाड़े में कई सप्ताह तक हिम से ढका रहता है और इससे उत्तर में जो समुद्र-तट हैं वे हिम से सदैव ढके रहने के कारण व्यापार के लिए सर्वथा व्यर्थ हैं। इसके विपरीत योरप का पश्चिम किनारा दुनिया में सबसे अधिक उत्तम व्यापार का स्थान है नार्वे के बन्दरगाह लगभग सारे वर्ष लगे रहते हैं और उत्तर महासागर का बन्दरगाह आर्केंजिल भी गर्मी की ऋतु में १ महीने तक खुला रहता है। यह बहुत बड़ा अन्तर गल्फ़स्ट्रीम, अर्थात् लाइबी की गर्म जलधारा के कारण है। यह धारा मेक्सिको के लाइबी से निकल कर कुछ दूर संयुक्त राज्यों के समुद्र-तट पर बहती है, फिर यह मार्ग बदल कर एटलांटिक महासागर को पार करके योरप के उत्तरी-पश्चिमी किनारे की ओर बहने लगती है। इसे वहाँ उत्तरी एटलांटिक धारा कहते हैं। इसके प्रभाव से समुद्र में



धरातल पर कुछ दूर तक गर्म पानी फैल जाता है और वे हवाएँ जो हत्ती एटलांटिक महासागर से चलती हैं गर्म हो जाती हैं और पश्चिमी योरोप के जलवायु को आनन्दित आरोग्यवर्द्धक बन देती हैं।

इस एटलांटिक महासागर के योरोपीय तट को तीन भागों में बाँट सकते हैं।

(१) नक्शों में दक्षिणी भाग अर्थात् जिमाहटर में हंग्रिया बेनेल तक के समुद्र-तट को देखो। इस भाग में समुद्र-तट सुँदाल और सीधे हैं, इसमें बेंचल एक खाड़ी है जिसको बिस्को की खाड़ी कहते हैं। यह खाड़ी याम्रा के लिए बहुत आपत्तिजनक है। इस समुद्र-तट के बड़े बड़े बन्दरगाह लिस्बन और ओपोर्टो पुर्तगाल में और बोर्दो फ्रांस में हैं। ये सब बन्दरगाह नदियों के मुहानों पर स्थित हैं।

(२) अब नक्शों में उत्तरी भाग या नार्वे के समुद्र-तट को देखो। यह अत्यन्त सँकरी खादियों और छोटे छोटे द्वीपों से बना हुआ है। इस समुद्र-तट को एक और समुद्र की लहरों ने और दूसरी ओर नदियों की प्रचण्ड धाराओं ने बहुत बाँट दिया है। गर्म पानी को बाँट कर बहा दिया है और बड़ी चट्टानों को खड़ा करने दिया है। इस खादियों के कारण इस ओर के समुद्र-तट का दृश्य अत्यन्त सुन्दर और समशीत दिखित होता है। यह तट ग्रेनलैंड तट के नाम से प्रसिद्ध है। उत्तरी महासागर की एक बड़ी शाखा, जो हम के बीच तक चली गई है, इसके सागर के नाम से प्रसिद्ध है। क्या आप इसका यह नाम क्यों रखा है ? क्योंकि नार्वे का तट बहुत कुछ बना हुआ है यद्यपि यह जहाजों के लक्षण नहीं है क्योंकि इस पर बहुत चट्टानें पड़ी हैं जिन्हें मरुत पर अथवा बहा रहता है कि जहाज हमारे लक्ष्य में जावे। इस तरह से एक गुप्त चरित्र है कि यह नदियों का मुहाना बन है। इसलिए निम्नलिखित छोटे छोटे जहाज इस तरह का चरित्र रखते पाते हैं।

सागर और समुद्र-तट

जल के भागों को मिलाता है। यह केवल ४१ मील चौड़ा है। इ
 लिए तेज़ चलनेवाली नावें, जो इंग्लिस्तान और फ्रांस के बीच चल
 करती हैं, एक घंटे में यात्री को इस पार से वम पार तक पहुँचा देती हैं।
 बाल्टिक सागर उत्तरी योरोप में बहुत बड़ा भीतरी सागर है।
 यह उत्तरी सागर में बहुत से जलसंयोजकों द्वारा मिला हुआ है। इन
 जल-संयोजकों की चक्रदार यात्रा को कम करने के लिए जटलैंड के
 प्रायद्वीप को, जो उत्तर की ओर स्कैंडिनेविया की दो शाखाओं में चला
 गया है, काट कर कील की नहर निकाल दी गई है, इसलिए
 यात्रा करना सुगम हो गया है।
 देखो इन सागरों के सम्पूर्ण बड़े बड़े बन्दरगाह नदियों के मुहानों पर
 हैं। नक़्शे द्वारा उन नदियों के नाम ज्ञात करो जिन पर लेनिनग्राड या
 पेत्रोग्राड, डानज़िग, हैम्बर्ग, राटर्डम, और हावर प्रसिद्द
 बन्दरगाह हैं।

बाल्टिक सागर और भूमध्य सागर की तुलना

(१) ये दोनों भीतरी सागर
 परन्तु भूमध्य सागर बहुत गहरा
 यह बाल्टिक सागर से ६ गुना
 और सौ गुना गहरा है। यह
 त रेखा के निकट है इसलिए
 जल नदियों द्वारा इसमें
 है वससे अधिक जल भाप
 जाता है। इसका जल
 के जल की अपेक्षा अधिक
 है। एक धारा पृष्ठ-
 महासागर से इसमें प्रत्येक
 ती रहती है।

(१) बाल्टिक सागर कम
 गहरा है, इसकी साधारण
 गहराई २० फीट है। यह
 विपुक्त रेखा से दूर है इसलिए
 इसका जल समुद्र के जल की
 अपेक्षा कम खारी है। इसके
 जल की एक धारा सदा उत्तरी
 सागर की ओर बहती रहती है।

दूसरा अध्याय

प्राकृतिक भाग

पृथिवी के प्राकृतिक भागों का हाल जो हम पहले १३ पृष्ठों
दुहराया । देना ऐसी दशाएँ योराप में भी हैं ।

१—उत्तरी पश्चिमी पहाड़ी भेणियाँ या पठारी भाग ।

२—उत्तर का बड़ा मैदान ।

३—दक्षिणी पहाड़ों की भेणियाँ या आल्प्स प्रदेश ।

४—दक्षिणी पहाड़ी प्रायद्वीप ।

१—उत्तरी पश्चिमी पहाड़ों की भेणियाँ—यह स्कैंडिनेविया
प्रायद्वीप की सम्पूर्ण लम्बाई में फैली हुई है और यहाँ स्कैंडिनेविया
के पहाड़ों के नाम से पुकारी जाती है । यह भेणियाँ उत्तरी तट
की तरफ़ में जाकर फिर निकल पड़ी है और तब यह स्काटलैंड
पहाड़ों के नाम से प्रसिद्ध है । स्कैंडिनेविया के पहाड़ पृथ्वीगतिक
सागर की ओर बहुत ऊँचे हैं और वास्तविक सागर की ओर बहुत कम
हैं । बनामो नदियों पर हमका क्या प्रभाव पड़ेगा ? मार्च में
छोटी पहाड़ी नदियाँ हैं जो बड़े बोग से बहती हैं । ऐसी छोटी
नदियाँ नक़्शे में नहीं दिखाई जा सकती । स्वीडन की नदियाँ आ
लम्बी हैं । हम भाग में येनर भील सबसे बड़ी है । यह भाग
द्वारा समुद्र से मिला दी गई है ।

२—योराप का बड़ा मैदान—यह हम महाद्वीप के
निहाई भाग से फैला हुआ है । यह लगभग त्रिभुजाकार है ।
की ओर कम में यह प्रदेश सबसे अधिक चौड़ा है । यहाँ
वास्तविक महासागर से बकर काकेशस पहाड़ तक चला गया

सेन्टपीटर्सबर्ग कहते थे। अब इसे लेनिनग्राड कहने हैं उस समय यहाँ बड़ा दलदल था इमलिय नई राजधानी की इमारतों के बनाने में लाखों लट्टे गाढ़े गये थे। कास्पियन सागर के उत्तर में सी मील तक भीर पश्चिम में कुछ हिम्मा समुद्र की सतह से नीच है। यह स्टेपी देश कहलाता है।



जूरडर जी का एक बंधि

तुम भूक्षेत्रों में इस बड़े मैदान की नदियों को देखो, तो तुमको व वाल दिशाई देंगे। उत्तरी वाल छोटा और दक्षिणी वाल बड़ा है। इ दोनों वालों के बीच की सीमा को देखो। यह दक्षिणी पहाड़ के बराबर बराबर कारपेथियन पहाड़ तक चली गई है। उत्तरी वाल की बा बड़ी नदिया यिरुचुला, एल्य, राइन सीन और ल्वायन है। वालों और नीपर दक्षिणी वाल की सबसे बड़ा नदिया है। नकस में इ नदियों को देखो और बनाओ कि इनमें से कौन किय सागर में गिरता है

यिरुचुला नदी दक्षिण महासागर में गिरती है। एल्य नदी का जल भी दक्षिण महासागर में गिरता है। राइन नदी का जल भी दक्षिण महासागर में गिरता है। ल्वायन नदी का जल भी दक्षिण महासागर में गिरता है।

रहती है, किन्तु गर्मी में इस पर जहाज चलते हैं और यह व्यापार का मार्ग बन जाती है। इसका कारण यह है कि क के निवासी नावों पर चलना बतना ही उत्तम समझते हैं वित्त कि रेल-गाड़ी में। इस नदी के डेल्टा पर पर्याखान बसा है।

नीपर उन नदियों में सबसे बड़ी है जो रुम के गेहूँ उपजानेवा प्रान्तों में बहती हैं। वालगा की भांति यह नदी भी जादों में कई सप्त तक जमी रहती है।

तुमको स्मरण होगा कि नदियों के दो बड़े काम, खेती और व्याप में सहायता पहुँचाना है। योरप की नदियों के वर्षान में हमने व्यापार का लाभ बताया है। इसका कारण, जैसा कि तुम अब अभ्यास में पढ़ोगे, यह है कि महाद्वीप में जलवृष्टि भली भाँति होती और नदियों से मिँचाई करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

३—दक्षिणी पहाड़—नक़्शे में इटैली को ढूँढो। जैसे एशिया में हिन्दुस्तान है वसी प्रकार योरप में इटैली है, और जैसे एशिया सबसे ऊँचे पहाड़ हिन्दुस्तान में हैं वैसे ही योरप के सबसे ऊँचे पहाड़ इटैली के उत्तर में पनुप के आकार में फैले हुए हैं और उत्तर-पूर्व ठण्डी हवाओं तथा दुरमनों के आक्रमणों से सुरक्षित किये हैं। पहाड़ी भेथी का नाम आल्प्स है। इसकी भेथियाँ भी हिमालय भेथियों की भाँति समानान्तर चली गई हैं। इस पहाड़ी भेथी हम योरप की रीढ़ कह सकते हैं। स्विट्जरलैंड का देश इस पहाड़ियों पर आबा है। ये पहाड़ी भेथियाँ दक्षिण, पश्चिम, व और पूर्व चारों ओर के देशों में फैली हुई हैं। अपने नक़्शे में आर की प्रसिद्ध चाटिया माउन्ट ब्लैंक, ग्रामजेन, ब्लैंक फारेस्ट, जू मैटर होर्न, तथा पूर्वी गाल्फे, आ पिन्डस रेंज और दिनारि आल्प्स का नाम से प्रसिद्ध है, देना।

आल्प्स की भेथियाँ हिमालय की भेथियों से बहुत छोटी किन्तु प्राकृतिक रूप से दाना बराबर हैं। हिमालय की भाँति आल्प्स

चटिपल चट्टानें हैं जो बहुत कम ढाल हैं। इन पर चढ़ने के लिए घोराप के सम्पूर्ण भागों से लोग आते हैं और अपने अपने कठ पत्थर लाकर पत्थर करते हैं। प्राकृतिक दरार की असीम सुन्दरता के कारण यह आश्चर्य है यदि लोग स्विट्जरलैंड के पहाड़ी देश को कार्मरी की भाँति सबसे रमणीय समझने हों। आल्प्स पहाड़ की श्रेणियों ने इन स्विट्जरलैंड, इटली, जर्मनी और आस्ट्रिया आदि देशों के प्राकृतिक सौन्दर्य को बढ़ा दिया है। इन देशों में आल्प्स की हिमाच्छादित चोटियों से निकलनेवाली घोराप की पाँच प्रसिद्ध नदियाँ राइन, रोम पो, इन, और एड्रिज बहती हैं। इन नदियों की अत्यधिक स्विट्जरलैंड को एक कारोबारी देश बना दिया है, यद्यपि वहाँ कोयला नहीं पाया जाता।✓

घोराप ऐसे काम-काजी महाद्वीप में यह आवश्यक है कि एक दूसरे देश के साथ सुगमता के साथ व्यापार कर सके। आल्प्स पर इस काम में किसी प्रकार की रकावट नहीं डालते, उल्टे सहारा करते हैं। बर्नो में देशों आल्प्स पहाड़ में कई दरें हैं जिनमें इलेक्ट्रिक रेल की सड़कें बनी हुई हैं। रेलों के लिए पहाड़ काटकर सुगम बनाई गई हैं। सिम्सोन नामी एक सुरङ की लम्बाई १२ मील। माउन्ट सेनिस नामी दर्रे की सुरङ ०३ मील लम्बी है। हाँ होकर फ्रांस को रेल जाती है। हंगलैंड से हिन्दुस्तान आने का सबसे सीधा रेल-मार्ग है।

जिस तरह एशिया में बड़े बड़े पहाड़ों की श्रेणियाँ एक पहाड़ केन्द्र से बाहर की ओर निकली हुई हैं, ठीक उसी भाँति घोराप सम्पूर्ण दक्षिणी पहाड़ों की श्रेणियाँ आल्प्स से निकली हुई हैं।

उपर की चार छोटे छोटे पहाड़ और पहाड़ियाँ जर्मनी के दक्षिण-पश्चिम भाग में फैली हुई हैं। जर्मनी की पश्चिमी सीमा आल्प्स पहाड़ है। इसकी समीप जूरा १२ देशों।

चली गई है और इसके आगे बढ़ कर कारपेथियन की ओर मिल गई है। यह एक हजार मीट्र लम्बा पहाड़ एक धनुष के आकार में हंगेरी के मैदान को घेरे हुए है, और बोहीमिया में इसके दक्षिणी पहाड़ों से मिल गया है।

काफ़ी पर्वत और एशिया कोशक के द्वारा बोरोप के इन पहाड़ एशिया के दक्षिणी-पश्चिमी पहाड़ों से मिले हुए हैं।

दक्षिणी पहाड़ों देश की बड़ी बड़ी नदियों—डैन्यूब और सादि—को नक़्शे में देखो। यद्यपि डैन्यूब का उद्गम जर्मनी में मुहाना रुमानिया में है, किन्तु वास्तव में यह आस्ट्रिया और बोरोप की नदी है। यह इस सारे देश को अपनी बड़ी बड़ी सहायक नदियों के समेत सींचती है। साथ तो यह है कि डैन्यूब बोरोप में सबसे बड़ा सहायक नदी है। इसका वेसिन बहुत उपजाऊ है। यद्यपि इसमें बांगटिसीस्वांग की आंधी है किन्तु इसमें जहाज़ बहुत दूर आते जाते हैं। यह नदी अपने मध्य भाग में एक सँकरे पहाड़ के बीच से बड़ी कठिनाई के साथ अपना मार्ग बनाती है। इसको आयरन गेट या लोहे का काटक कहते हैं क्योंकि इसकी बहुत कड़ी है। अब इन चट्टानों को काटकर एक नहर बनाई है। इससे इस स्थान की प्राकृतिक रुकावट जाती रही। अब इन बड़े बड़े नगरों को देखो जो इस नदी के किनारे पर हैं, आस्ट्रिया की राजधानी वियाना, हंगेरी की राजधानी बुडापेस्ट और योगोस्लेविया की राजधानी बेलग्रेड। मुहाने के निकट कुछ भाग जनवरी और फरवरी के महीनों में बर्फ़ से ढक जाता है।

जिनकी पारंपरिक नदियाँ भू-मध्य सागर में गिरती हैं उन सबमें सेन है। नक़्शे में देखने से बिदिन होगा कि यह एक लम्बी नदी है जिसके दोनों ओर पहाड़ हैं। यही कारण है कि इसका बहुत तेज़ है, और हमने जहाज़ चलाना अत्यन्त कठिन होने की घाटी क्रॉस का एक उपजाऊ तथा कारोबारी प्रांत है।

४—बड़े मैदान की उन बड़ी बड़ी नदियों के नाम बताओ जिनमें से (क) उत्तर की ओर सींचती है (ख) दक्षिण की ओर सींचती है । इनमें से किन नदियों के मुहानों पर बन्दरगाह हैं ?

५—नक्ष्रो में दैन्युष नदी का मार्ग देखो । यह बालूना नदी से क्यों अधिक लाभदायक समझी जाती है ? नक्ष्रो में देखकर बताओ कि इसके किनारे पर कौन कौन नगर बसे हैं ।

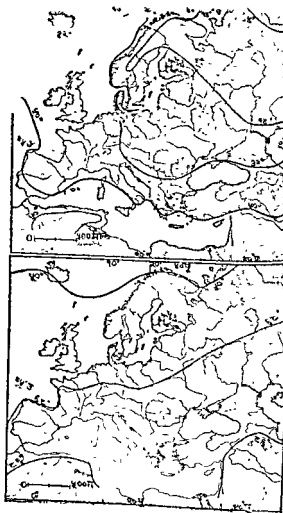
अभ्यास

१—पोरप के आके पर बड़े बड़े पहाड़ों की श्रेणियाँ और बड़ी नदियाँ दिखाओ । इन नदियों के पहाड़ी, मैदानी तथा बेलवा प्रदेशों को सिद्ध भिन्न रंग या रङ्ग से रंग दो ।

२—एक जहाज कील की नहर में होकर लम्बन से डानज़िग जाता है और उन २ संयोजकों की राह से जो डेनमार्क के उत्तर में लम्बन लौट आता है । अपने नक्ष्रो के पैमाने की सहायता से बताओ कि दोनों मार्गों की लम्बाई में क्या अन्तर है ।

जलवायु और वनस्पति

[illegible]



यूरोप में जनवरी तथा जुलाई का तापक्रम

उत्तरवायु और बरफ़



तापक्रम कुछ बढ़ जाता है क्योंकि इन हवाओं की आग पानी के रूप में बरस जाती है और बरसकी गर्मी इन देशों के देश-मण्डल को गर्म कर देती है। इस प्रकार यह पशुवा हवाएँ ठीक महासागर के उष्ण प्रदेश की तरी तथा गर्मी घोरप के देशों में लाया करती हैं। ✓

(१) गल्फ स्ट्रीम—इस धारा का प्रभाव घोरप के पश्चिमी देशों के जलवायु पर पड़ता है। इस धारा के कारण पश्चिमी देशों का जलवायु सामान्य तथा आरोग्यवर्द्धक हो जाता है, और पश्चिम समुद्र तटरी प्रथम प्रदेश तक अमने से बच जाते हैं।

इन बातों से सिद्ध होता है कि जलवायु के विचार से घोरप बड़ा मैदान दो भागों में बँट सकता है (क) पश्चिमी भाग (ग) जलवायु सामान्य है और त्रिज्या जलवायु अधिक होती है (न) भाग तृतीय जलवायु ठंडा है और जलवायु कम होती है। इस जलवायु के विचार से घोरप को चार बड़े विभाग हैं :—

(क) उत्तरी पूर्वी भाग—तृतीय का जलवायु अत्यन्त ठंडा

(न) पूर्वी भाग—तृतीय का जलवायु ठंडा है। असाधारण होती है।

(ग) पश्चिमी भाग—तृतीय का जलवायु सामान्य है और जलवायु अधिक होती है।

(घ) दक्षिणी या मध्य सागर का प्रदेश—तृतीय का जलवायु है और जलवायु विशेष कर गर्म में अधिक होती है, पश्चिम के देश मूल तथा गर्म होते हैं।

संक्षेप—इस (१) के द्वारा हमने घोरप की पृथ्वी को चार भागों में बँटा है। तृतीय देश जलवायु है तृतीय देशी जलवायु उत्तरी प्रदेश के पूर्वी भाग में जलवायु सामान्य का क्षेत्र भाग दक्षिण भाग तक भाग नव भाग के भाग नव भागों की तल जलवायु तल भाग है भाग तल के जलवायु संक्षेप तथा वे

भिन्न भिन्न प्रकार की होती होती है। पश्चिम में गेहूँ तथा अधिक होता है और पूरे में छोटी और राई उत्पन्न होती है। में शुष्कन्दर बहुतायत से बोया जाता है। हमने उकर बनाई है। यहाँ घास की लतायें भी बहुतायत से उत्पन्न होती हैं। मैदान में खरने के स्थान अधिक हैं, किन्तु पश्चिम की ओर के के स्थान रुस के खरने के स्थानों की अपेक्षा अधिक अच्छे हैं।



योरप तथा दूँडा प्रदेश में 'देनडिगर' मुख्य धान हैं जो प्रगत जाने जाते हैं उनके वेष्ट जाने के कारण होने के पहले में धान धान लिया देने के। इनमें से थोड़ा सा बज्ज, बीच और धान मुख्य है।

(४) उत्पन्न के मैदान—य मैदान उत्पन्न के दक्षिण में हैं, दक्षिण उत्पन्न के उत्तर में मैदान इसी वर्ग के हैं जैसे कि एशिया के उत्तर के हैं यहाँ के उत्पन्नी उत्पन्न का उत्पन्न के लिए एक स्थान में दूसरे स्थान में

चौथा अध्याय

घोरप के खनिज पदार्थ, व्यवसाय और वाणिज्य
तथा जन-संख्या का वितरण

तीन या चार सौ वर्ष पहले योरप के बाहर योरप के जन के नामों को, जिनके निशानी आज-कल लगभग सारे संसार के मानव हुए हैं, शायद ही किसी ने सुना होगा। कदाचित् तुम इस के जानने के लिए उत्सुक होगे कि ऐसा भारी आश्चर्यजनक कैसे हुआ। इसका जवाब केवल दो शब्दों में है 'अवसाव' या 'प्राणिव'। इन देशों में हलती भारी बड़ती अपने अवसाव या प्राणिव ही के कारण प्राप्त की है।

सुम पोरन के व्यवसाय और वाणिज्य के विषय में विस्तृत रूपके देशों और जगहों के वर्णन के साथ साथ पढ़ोगे। यहाँ पर हम विषय का सूक्ष्म वर्णन करते हैं।

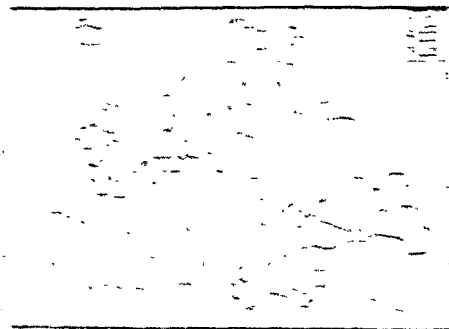
[illegible]

मँगवाता है। जो चीजें बाहर भेजी जाती हैं उनमें मसीन, सूई और ऊनी कपड़े, रेशम और शीशा मुख्य हैं। ये सब चीजें भूक्रीका, हिन्दुस्तान, चीन और अन्य उष्ण कटिबन्ध के देशों में जहाँ व्यवसाय-मध्यस्थी उपनि अभी नहीं हुई है, भेजी जाती हैं। वे चीजें जो बाहर से यहाँ मँगवाई जाती हैं उनमें खाद्य पदार्थ जैसे गेहूँ, चावल, इत्यादि मुख्य हैं। कच्चा माछ जैसे रहूँ, चमड़ा और बहुत से खनिज पदार्थ जैसे सोना, चांदी और मिट्टी के तेल मुख्य हैं। चाय भी बाहर से आनेवाली चीजों में से है। यह ग्रेटब्रिटेन तथा योरप के अन्य देशों में तो सबकी सब चीजें से ही आती है। इन चीजों के अतिरिक्त यूरपीय (योरपीय) लिए और नील भी बाहर से आनेवाली मुख्य चीजों में लिं जाती हैं।

मुझे पिछली कथाओं में हिन्दुस्तान के समुद्र-तट की काल्पनिक यात्रा में अपने देश के कराँची, बम्बई, कलकत्ता, रंगून और कोलकाता पर सैकड़ों विदेशी जहाजों, मुख्य कर इंग्लैंड तथा योरप के अन्य देशों के जहाजों को, हिन्दुस्तान का कच्चा माछ ले आते हुए और विदेशों का व्यापारी माछ उँटेंलते हुए देखा था। हिन्दुस्तान में ऐसा कोई बड़ा या छोटे से छोटे गाँव न मिलेगा जहाँ योरपीय देशों में बनी हुई चीजें न कोई बस्तु मुख्य कर कपड़ा, लोहे या काँच की वस्तुएँ, और फिर सड़ाई न प्रयोग की जाती हो। हमारा देश योरपीय देशों के कच्चे कौशल का सबसे बड़ा बाजार है और वहाँ के निवासियों के लिए यह पैदा करनेवाला देश है। हमारे देश के किसान विदेशियों के लिए गेहूँ, चावल, कपास, मक्का और जूट इत्यादि पैदा करते हैं और इन वस्तुओं में विदेशों के, विशेष कर योरप के रहनवास के कारीगरों तथा श्रमीविषय के बनावट हुए कपड़े, लोहे या काँच के सामान प्राप्त करने हैं आदि। नव नव व्यवसाय तथा वाणिज्य न पूर तथा पश्चिम के देशों में एक प्रकार का आन्दोलन उत्पन्न कर दिया है और एक दूसरे

THE JOURNAL OF THE

THE JOURNAL OF THE



THE JOURNAL OF THE

THE JOURNAL OF THE

THE JOURNAL OF THE

से सम्बन्धों मीट दूर पर रहनवाले कृषक के खेत की पैदावार का प्रयोग क लिए प्राप्त कर लेते हैं ।

जन-संख्या का विन्वास—यूरोपीय देशों में आबादी के विन्वास यहाँ पर निम्न प्रकार है कि तुम दि दुम्मान और यूरिया में देखन आये हो । योरप में घनी आबादी है । योरप का ज्यादातर हिस्सा जलमय है । समुद्र-तट तथा नदियों की घाटियाँ भी आबादी अधिक होती है ।

योरप के घन आबाद देश निम्नलिखित हैं । उनका नक्शे में देखो और उनके घन आबाद हान के कारण मान्य करो ।

१—सीन और राइन के बीच का समुद्र तट

२—राइन नदी के किनारे का देश

३—एल्ब नदी के किनारे का देश, विशेषकर मीमेनी

४—डान नदी का मैदान या डानरी इटेरी

कम और तमनी ही जन-संख्या घुघरू, घुघरू, डेनमार्क से अधिक है । प्रायः इटेरी, पोरेण्ड, और स्पेन का ज्यादातर हिस्सा इन देशों के भाग है । इन भाग देशों में योरप के तीन चौथाई मनुष्य रहने हैं । वास्तु में अतिम कम देशों में अधिक घना देश है । हमें प्रति एकड़ भूमि में एक मनुष्य का औसत है । लन्दन नगर की जन-संख्या वास्तु के बहुत से देशों में अधिक है । अगर बनावे हुए देशों के अतिरिक्त इतालिया, ग्रीस, जर्मनिया और अमेरिका की ऐसे देश हैं जिनकी जन-संख्या लन्दन से अधिक है ।

प्रश्न

१—योरप के देश किस राज्या से आज़-कट इति के सिवा पर पहुँच सकते हैं ?

२—योरप के देशों का औसतन पूर्ण तथा अल्प अतिरिक्त के देशों में जन-संख्या का अन्तर कितना है ?

३—योरप के देशों में जन-संख्या का अन्तर कितना है ?

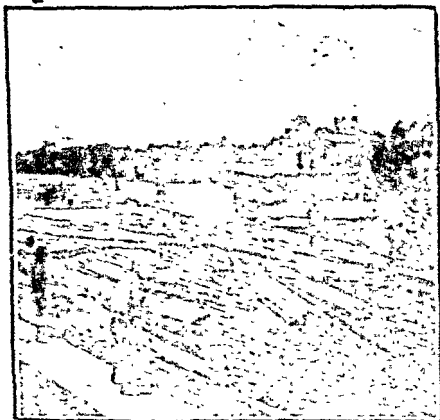
ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰ ਦੇ ਖਾਤਾ ਵਿਚ

1— ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 2— ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਰ

(1) ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 (2) ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ
 ਭਾਰਤ ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ 1947-48 ਦੇ ਖਾਤੇ ਵਿਚ

कम है और इस देव का उं। मंदिर का १२६ स्तंभों की खोले स्थित है। इसमें
मूर्तियाँ और स्तंभ हैं। देवों के लोगों की बहुत सम्पत्ति है, यहाँ और
मूर्तियों का दखना है। इसमें केवल इसासी स्तंभों का नहीं



देवास के देव मंदिर का दृश्य

देवास के देव मंदिर का दृश्य

देवास के देव मंदिर का दृश्य

देवास के देव मंदिर का दृश्य

देवास के देव मंदिर का दृश्य

(ख) मध्य योरोप के देश

जर्मनी को योरोप का मध्य देश यह सबने हैं। नक्शों में देखो तो मुझे विदित होगा कि जर्मनी के गाम-गाम कितने देश हैं। पूर्व में पोलैंड और रूस, दक्षिण में आस्ट्रिया और स्विट्ज़रलैंड, पश्चिम में फ्रान्स, बेल्जियम और हाँड्रेड तथा उत्तर में डेनमार्क है। उत्तर और दक्षिण की सीमा प्राकृतिक है परन्तु पूर्व और पश्चिम में बनावटी है। अनेक धाने-धाने में सुभीता है। जर्मनी पहले प्रजा और बड़े बड़े बड़े राज्यों और स्वतन्त्र नगरों से मिलकर एक बड़ा साम्राज्य था। अब वे सब मिलकर एक प्रजातन्त्र राज्य बन गये हैं।

प्राकृतिक दृष्टि से विचार से जर्मनी किन भागों में सम्बन्ध रखता है? उत्तर में मैदान है और दक्षिण में एल्प्स पर्वत है इनद्विष्ट नदियाँ दक्षिण में बहती हैं और फिर मैदान में लगभग एक दूसरे के समानान्तर बहती हुई आर्क्टिक सागर तथा उत्तरी सागर में गिरती हैं। इन नदियों पर और बनटी महापक् नदियों पर ईरकों मीठ सब नौसे भरी भाँति चल सकती है। परन्तु इनके मुहानों पर बन्दरगाह बहुत छोटे नहीं हैं। इनका सामान्य धार है कि कम जल के कारण बड़े बड़े जहज़ उतरा नहीं पहुँच सकते। अपने नक्शों में जर्मनी की मुख्य नदियों और बन्दरगाहों के नाम बताओ।

उत्तरी मैदान तथा एल्प्स पर्वत के बीच रोह्र, डै, कन्दर,
... ..
... ..
... ..

सिना और रवों को गान से निकालना इनका
वर्षम है। यहाँ सीमा टाला जाता है और प्रेग नगर में ची
वर्तन बनाने का काम होता है। यह नगर विपना और बर्लि
बीच व्यापारी सड़क पर है इसमें बहुत उपयोगी हो गया
कार्पेथियन के प्रान्त में रुसी बंजारे रहने हैं। ब्रून इसका सु
नगर है।

हंगेरी एक नीचा पठार आल्प्स, कार्पेथियन पहाड़ और बाल्कन
प्रायद्वीप से घिरा हुआ है। इसकी नदियों के बहाव को देखो। यह दे
चौरम है। इसमें नदियाँ धीरे धीरे बहती हैं और इनमें बाढ़ आती है
जलवायु गर्मी में बहुत ही गरम और जाड़े में बहुत ही ठंडा रहता
है। महीनों तक पाला पड़ता है। यह जलवायु गेहूँ की रोती के काम
का है और यहाँ कारण है कि गेहूँ हंगेरी की मुख्य उपज है, जो योरोप
में सबसे उत्तम होता है। यहाँ के रहनेवाले थपने को मगपार कहते
हैं। ये लोग पहले एशिया में रहते थे परन्तु सैकड़ों वर्ष से हंगेरी
में आकर बस गये हैं।

इस प्रजातन्त्र राज्य की राजधानी बूडापेस्ट है। यह हरे-भरे गेहूँ
उपजानेवाले मैदान के बीच में है। यहाँ का मुख्य वर्षम चाटा पीमना
और गेहूँ लादना है। आज-कल का हंगेरी प्रजातन्त्र राज्य पुराने
हंगेरी राज्य से बहुत छोटा है।

पोलैंड किसी समय एक स्वतन्त्र राज्य था और योरोप के बड़े-
बड़े देशों में गिना जाता था। सौ वर्ष हुए इसके बर्ली पड़ोसी रुस,
ऑस्ट्रिया और जर्मनी ने इसे आपस में बाँट लिया और रुस को सबसे
बड़ा अंश मिला। महायुद्ध के पॉले पोलैंड फिर स्वतन्त्र होकर प्रजा-
तन्त्र राज्य बन गया। यह देश बड़ मैदान का एक अंश है। दक्षिण
में कार्पेथियन के ढाँच हैं। देश चरम है और मिट्टी और जल व पशु
पौना खन के उपयोगी हैं गेहूँ राई और जई व धान व
शुक्र-दा व यत्न

Let's go home now.



नहीं हैं। यहाँ बहुत-सी खानें हैं, परन्तु वे सब अधिक खोदी नहीं जाती और यहाँ कला-कौशल भी अधिक नहीं होता। इसलिए लोग जानवर पालते हैं और साधारण रीति से खेती करते हैं परन्तु फसलें बहुत कम होती हैं। तट के किनारे किनारे वनस्पति अधिक होती है। यहाँ की मुख्य वपन फल है।

टर्की का मुख्य नगर कुरुनुनतुनिया है जो टर्की साम्राज्य की राजधानी था। यह नगर एशिया और दक्षिणी योरोप के मध्य के बड़े व्यापारिक मार्ग पर स्थित है और ढाई हजार वर्ष से प्रसिद्ध है। एथेन्स और कोरिन्थ यूनान के प्राचीन व्यापारिक नगर हैं। देश के भीतरी भाग के प्रसिद्ध नगर वेलब्रेड और सूफिया हैं। वेलब्रेड यूगोस्लेविया की राजधानी और सूफिया बल्गेरिया की राजधानी है। इन सब नगरों को नक़्शे में देखो।

इटली

२—इटली भू-मध्य सागर का घमती देश है। इसका जलवायु के सब देशों से अच्छा है। प्रायद्वीप के हिस्से भाग से समुद्र नहीं है। यहाँ सूर्य अधिक चमकता है, और गर्म और स्वच्छ चरनी हैं। ऐसा विदित होता है कि अपने देश के सुन्दर हरियों को देखते देखते इटली के निवासियों को सुन्दर से प्रेम करने का स्वभाव हो गया है। क्योंकि ये बड़े निपुण हैं और वे अपने घरों तथा सरकारी इमारतों को बहुत ही सज्जने से सजाते हैं और गान बजाने का बहुत शौक है। इटली का प्रायः प्रत्येक निवासी गाना या बजाना

का, कर्मिक, यहाँ के लोग में कुछ लोग रहते हैं जो लामबड़ा का मेहनत करने में काम करते हैं।

(घ) पश्चिम के देश

फ्रांस

फ्रांस कृषि बार्न के लिए एक बहुत उपजाऊ देश है जिसमें इनका मैदान और उष्ण बहुत है। इन भागों को नहरों में देंगे। मैदान उत्तर और पश्चिम में फैले हुए हैं और बाह्य परत की शायदों दक्षिण-पूर्व को घनी जाती हैं। हम जानते हैं कि फ्रांस एटनॉटिक महासागर और भूमध्य सागर दोनों से सिना हुआ है। इसलिए हमारा समुद्र जलवायु के दो भागों से है। इसके दक्षिण में जहाँ मुख्य नदी भूमि घनकता है बंगाल, हैम और साइन वगैरह होते हैं। हम कारा मदिरा, हैम का तेल और रेशम या माल तैयार किया जाता है। रोम नदी पर लियन्स नगर में दुनिया में सबसे अधिक लोहा का भार बनता है। उत्तर की ओर जहाँ वर्षा अधिक होती है और सुषुन्दर बहुत वृक्ष होते हैं। पश्चिमी घोर के और देशों जैसे फ्रांस में बहुत अधिक गेहूँ वृक्ष होता है। उत्तर-पूर्व में बोयले की वहाँ बढ़ी खानें हैं। यह क्षेत्रविषय तक दुर्ग है और जर्मनी की खानों से जाकर निकल गई है। वहाँ खानों को ब्रिटिश दोरमन्ट में उत्तर सागर के दूसरी ओर फिर प्रकट होती मुन्को स्मरत खाना चाहिए कि बोयले के इसी मैदान में घोरप भूत विद्यमान है जिसमें काले सागर के बड़े बड़े कारखाने हैं।

कारण यह भी है कि यहाँ के घाटें जड़वायु के कारण रुई का सूत कातने में टूटता नहीं। यहाँ कपड़े के कारखानों को एक विशेष विधा यह है कि मैनचेस्टर के समीपवर्ती देश में ये लोग अधिक से अधिक बस गये हैं जो कई पीढ़ियों से सूत कातने व बुनने का काम कर रहे हैं। लंकेशायर में यो तो कई बड़े बड़े नगर रुई के कारखानों के लिए प्रसिद्ध हैं परन्तु इनमें मैनचेस्टर सबसे अधिक प्रसिद्ध है।

(ग) ऊनी माल—यह पोनाइन की भेरी के पूर्व में पार्कशायर कोयले की खानों के ऊपर बनाया जाता है। पहले-पहल ऊनी माल के कारखाने यहाँ इस कारण से प्रचलित हुए कि लोग मैदान के रेत के क्षेत्र में भेरे पाटा करते थे, परन्तु घात-कल बहुत-सा ऊन आस्ट्रेलिया और दक्षिण-अमेरिका से लिबरट्ट और इल के बन्दरगाहों में आता है। लीड्स और ग्रेडफोर्ड इस माल के बड़े स्थान हैं।

(घ) सन का माल—यह स्काटलैंड में फोर्थ की कोयले की खानों के समीप, जहाँ वास्तविक सागर के मार्ग द्वारा जल से सन आता है, बनाया जाता है। यहाँ कलकत्ते से आये हुए रुई की बस्तुएँ भी बनाई जाती हैं। इंडो में इसके बड़े बड़े कारखाने हैं। आयरलैंड के उत्तर में जो खदसी बोई जाती है उसमें यहाँ के बहुत से कारखानों में 'लियेन' कपड़ा बनाया जाता है। इन कारखानों के लिए ईंगलैंड और स्काटलैंड से कोयला आता है। वेल्श में इसका कारखाना दुनिया में प्रसिद्ध है। आयरलैंड के उत्तर का प्रान्त जो अल्स्टर कहलाता है 'लिनन' के कारखानों के लिए प्रसिद्ध है।

(ङ) जहाज बनाना—ब्रिटिश-इंग्लिशमूर्द में जहाज बहुत बनते हैं। जो जहाज ब्रिटिश के बन्दरगाहों में बनते हैं वे दुनिया में सर्वोत्कृष्ट माने जाते हैं। ब्राइड नदी पर ग्लामार्गो में, टाइन नदी पर न्यूकैम्ब्रिज में, टम्ज नदी पर लन्दन में, मारपी नदी पर लिबरपूल

पानी बरसानी है। पूर्व की ओर समतल मैदान है, वहाँ से जेत बन सकते हैं, परन्तु इस ओर वर्षा बहुत कम होती है। खेती बहुत कम होती है। खेती के कम होने का एक और कारण यह है कि ब्रिटिश-द्वीपों में वर्ष के बहुत कम दिनों में फसलों के पकने को पर्याप्त गर्मी पड़ती है। जाड़ की ऋतु बहुत लम्बी होती है और आकाश प्रायः प्रत्येक दिन में विशेष कर जाड़े में बादलों से घिरा रहता है। ऐसी दशा में बहुत कम हो सकती है। तुम जानते हो कि छोटे छोटे गाँव ही के पास होते हैं।

ब्रिटिश-द्वीपों की आबादी के नक़्शे को उसके प्राकृतिक तथा सन्नित पदार्थवाले नक़्शे से तुलना करो तो तुम्हें होगा कि—

- (१) जो भाग पहाड़ी है वे बिरे आबाद है।
- (२) जिन भागों में कोयले और लौहे की खानें हैं आबाद है।

(३) समुद्र-तट पर सुरक्षित बंदरों या गहरी झील समीर बड़े बड़े बन्दरगाह तथा घने आबाद नगर हैं।

(४) पूर्व के मैदानों में भी छोटे छोटे गाँव बहुत कम भाग भी बिरे आबाद है।

उपरोक्त बातों के कारण निर्णय करो और सन्नित पर आबादी के विन्यास के बीच में सम्बन्ध बनाओ।

कारखाना के वर्णन में तुम ग्रेटब्रिटेन और आयरलैंड बड़े बड़े नगरों के नाम पढ़ चुके हो। इनके अतिरिक्त और से नगर हैं। इन सबके नाम स्मरण रखना तुम्हारे लिए है। इस देश में १०० से अधिक जंगल नगर हैं जिनकी आधे जंगल से भी अधिक हैं। हिन्दुस्तान में भी ऐसे जंगल लगेभग हैं।



है। ये महाद्वीपीय खण्ड का कान नहीं बनते। एटलांटिक महासागर में गिब्रेटाली व बड़ी बड़ी नदियाँ चौड़ी खादियों में होकर दक्षिणी अमेरिका के पूर्वी समुद्र-तट पर गहरी पन्ध्रकारी बनाती हैं जिस पर प्रविष्ट बन्दरगाह बन गये हैं। कई रेतले टीलों की इन खादों घेरो के पर बने पूर्वी समुद्र-तट के बन्दरगाहों को, गिब्रेटाली का म्यूराई को मध्य के भागों में निहाली हैं। त्रिनिदाद, वेस्ट इन्डिया और वेस्ट इंडिया के मैदानों के मध्य में यह सीढ़ी घाट-छोड़ का काम होता है।

(१) मध्य के मैदान—यहाँ में इन नदियों के भागों को देखो जिससे इन मैदानों का जन्म हुआ है। इन मैदानों का एक बड़ा और दक्षिण की ओर है। बीच में एक घाट-छोड़ है, जो ईसाई ईसा समुद्र-तट की मिली हुई सीढ़ी के समान है और इस भागों के एक ओर से दूसरी ओर एक बड़ा बड़ा है। इस घाट-छोड़ पर उत्पन्न-विकास हो चुका एक बड़ा घेरो के मध्य में गहरी दोष बने, यहाँ पर समस्त-मध्य के विनिमय-कार उंची होनी पाई है। यहाँ के देखने से हमको यह भी मिलित होता कि इस भागों के दक्षिण के भागों में बहुत-सी बड़ी बड़ी बनी है। बने हैं कि दुनिया में विपन्न सीढ़ी बनी है तथा बड़ा दक्षिणी अमेरिका की सीढ़ी में है।

नदियाँ और भागों—दक्षिणी अमेरिका की बड़ी बड़ी नदियाँ बीच के मैदान में बनी हैं। यहाँ में यह नदियों को होने को दक्षिणी भाग पर बनी है। मैदानों पर दक्षिण की ओर बने हुए बड़े में होकर बनी है। दक्षिणी भाग में मिली है। यह भागों में दक्षिण में एक भाग है। दक्षिणी भागों के भागों में बनी है।

ईसाई के दक्षिण में विनिमय-कार का बड़ा में होना। यह भी नदियों के एक भाग मध्य के भाग में मिली है। इसके अन्त में मैदान पर बड़ा बड़ा दक्षिण के भागों में बनी है।





बतरी हिन्दुस्तान है। ये दोनों बातें तुमको यहाँ के जलवायु के समझने में बहुत बड़ी सहायता देगी।

इसके किनारे बहुत गर्म हैं। इन पर मानसून हवाओं के कारण बहुत जलवृष्टि होती है। देश का भीतरी भाग समुद्री किनारों की अपेक्षा अधिक शुष्क और ठंडा है, क्योंकि किनारों पर उतर्पण होने के कारण मानसून हवाओं की आर्द्रता खर्च हो जाती है। इसलिए जब ये हवाएँ भीतर आती हैं तब लगभग शुष्क हो आती हैं। चूँकि एक ओर पठार है और दूसरी ओर नीचे समुद्री किनारों के मैदान हैं, और ऊँचा धरातल मैदान की अपेक्षा ठंडा और शुष्क है, इसलिए इन दोनों स्थानों की उपज में बड़ा अंतर है।



समुद्री किनारों पर गन्ना, चावल, कपास और अन्य ऐसे अन्य पदार्थों की खेती होती है। इनमें कुछ अधिक ऊँची भूमि के ऊपर कद्दू और तम्बाकू का खेती बहुत अच्छी होती है।

कार में है। पज़ोरिडा के किनारे की घोर बहामा द्वीप-समूह में जमेका द्वीप तथा अन्य बहुत से छोटे छोटे द्वीप ब्रिटिश के अधिन हैं। जमेका द्वीप में किंगस्टन नगर व्यापार का केन्द्र तथा द्वीप राजधानी है। यह बन्दरगाह पनामा की नहर से सबसे समीप घेतारेकी बन्दरगाह होने के कारण बड़े महत्त्व का स्थान है। बन्दरगाह से केले, नारियल, शकर, शराब, और कहवा निर्र के भेजा जाता है और चावल, आटा, कपड़े और औज़ार व से यहाँ आते हैं।

प्रश्न

१—(क) पश्चिमी इण्डोनेशिया (ख) मध्य अमेरिका के उन्नत सेवा उपज का वर्णन करो ।

२—संयुक्त-राज्य के कारोबार तथा व्यापार की इतनी प्रति-
बद्धि का क्या कारण है ? यहाँ के निवासियों के मुख्य मुख्य म
क्या है और वे देश के किस-किस भाग में होते हैं ?

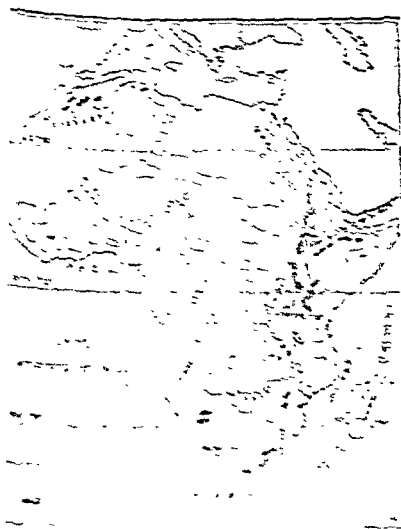
३—कैनेडा को तुम कौन कौन से प्राकृतिक भागों में विभक्त
सकते हो ? व्यापार के विचार से यह इतना अधिक क्यों प्रसिद्ध है ?

४—भूमीडॉल से वानकोबर द्वीप तक यदि तुम कमरेक इस किनारे से उस किनारे तक यात्रा करो, तो मार्ग में तुमको कौन उषम दिखाई पड़ेगे ?

२—निम्नलिखित नगरों के प्रसिद्ध होने का कारण बताओ—
पनामा, न्यूयार्क, पिट्सबर्ग, शिकागो, हैलीवुड, सि
वेग, और डालस।

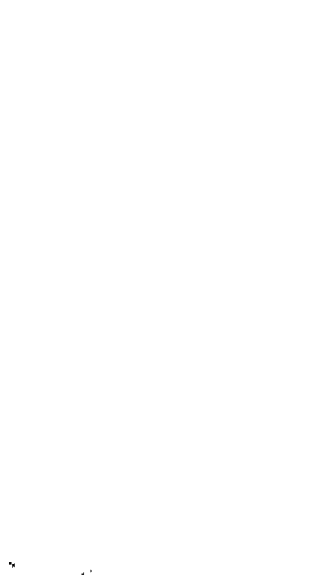
अभ्यास

उत्तरी अमेरिका के दिये हुए आके पर देशों की सीमा तथा।
बड़े नगरों के स्थान दिखाओ, और जहाँ जहाँ लकड़ी के काम, मछ-
पकड़ना, गान खोदना तथा कृषि के काम होते हैं वहाँ इन का
को लिख दो।



— — — — —





३—आस्ट्रेलिया को किन प्राकृतिक भागों में विभाजित कर सकते हैं ?

१—आस्ट्रेलिया महाद्वीप के समुद्र-तट के चारों ओर की एक भौतिक समुद्र-यात्रा का वर्णन लिखा और बताओ किन किन बन्दर-पर से और किन मार्गों से आस्ट्रेलिया जा सकते हैं ।

२—आस्ट्रेलिया के मुख्य ५ बन्दरगाहों की स्थिति पर अपने विचार प्रकट करो ।

अभ्यास

१—आस्ट्रेलिया के नक्शे पर मुख्य नगर, खाड़ीयाँ, समुद्र तथा जंगल और घासों तथा ग्रेट बैरियर रीफ़ दिखाओ ।

१-बसुन्धरी की स्मृति, मनुष्य-तन्त्र तथा समाज

२-बसुन्धरी की स्मृति, मनुष्य-तन्त्र तथा समाज

३-बसुन्धरी की स्मृति, मनुष्य-तन्त्र तथा समाज

समाप्ति

४-बसुन्धरी की स्मृति, मनुष्य-तन्त्र तथा समाज

१—आस्ट्रेलिया को किन प्राकृतिक भागों में विभाजित कर सकते हैं ?

१—आस्ट्रेलिया महाद्वीप के समुद्र-तट के चारों ओर की एक बालूरी समुद्र-भाषा का वर्णन लिखा और बताओ कि किस समुद्र-तट से और किन मार्गों से आस्ट्रेलिया जा सकते हैं ।

२—आस्ट्रेलिया के मुख्य ५ समुद्रगाहों की स्थिति पर अपने चित्र प्रकट करो ।

समस्याएँ

१—आस्ट्रेलिया के नक्शे पर मुख्य नगर, खादियाँ, समुद्र तथा नदी-तट और धाराएँ तथा ग्रेट बैरियर रीफ़ दिखाओ ।

दूसरा अध्याय

जलवायु, वनस्पति और जीवजन्तु

यदि तुमने दक्षिणी अफ्रीका का जलवायु अभी भाति समझ लिया है तो तुमको आस्ट्रेलिया के जलवायु के समझने में कोई कठिनाई होगी, क्योंकि ये दोनों स्थल के बड़े बड़े भाग सर्वथा एक ही प्रकार हैं। दोनों एक ही अक्षांशों के बीच में स्थित हैं, दोनों में पूरे की पूरे खेदो तथा पहाड़ हैं, और दोनों पर समुद्री जलवायु का एक ही प्रभाव पड़ता है। तुमको स्मरण होगा कि अफ्रीका के जलवायु विभाग विषुवत रेखा के पास बहुत गर्म हैं और यहाँ जलवायु अधिक होती है। इनके अनिश्चित चार विभाग हैं जिनमें (क) कम जलवायु होती है (ख) मध्यम है और (ग) भू-मध्य सागर के जलवायु वाले हैं।

यही जलवायु के विभाग आस्ट्रेलिया में भी हैं। यद्यपि आस्ट्रेलिया का कोई भाग भी विषुवत रेखा तक नहीं पहुँचना, परन्तु मात्र ही मात्र कोई भाग इससे बहुत दूर भी नहीं है। दक्षिणी अफ्रीका की भाँति आस्ट्रेलिया के मध्य भाग में मकर रेखा गुज़रती है। इस मकर रेखा के मध्य भाग समुद्र से बहुत दूर दान के कारण पानी बरसानेवाली हवाओं के प्रभाव से बंविन रहने हैं। यही कारण है कि ये भाग गर्मी के दिनों (दिसम्बर और जनवरी) में अत्यन्त गर्म हो जाते हैं और इनके बाद के वायुमंडल का दबाव बहुत कम रह जाता है। उत्तरी भागों पर हिन्द महासागर को पार करके आनेवाली उत्तरी-पूर्वी ठंडी हवाएँ, मानसून या मीसिमी हवाओं के रूप में पड़ने लगती हैं और वर्षा बन जाती हैं। तुमको स्मरण होगा कि आस्ट्रेलिया और मध्यम के महीने में

पर्वत-पर्वतों के हवा के दक्खी-पूर्वी मानसून मद्रास आहाने और वहाँ से बर्बा करती हैं। यहाँ हवा के विद्युत् रेखा को पार करके आस्ट्रेलिया के दक्खी भाग की कम दबाववाली पहली हवा का स्थान ग्रहण करने के लिए दौड़ पड़ती हैं।

आस्ट्रेलिया के गर्म और उल्टा-उल्टा भाग में दक्खीय प्रायद्वीपों के लिए और इनके ऊपर उत्तर में जो द्वीप (जैसे म्यूनिनी इत्यादि) हैं, परसे नर सम्मिलित हैं। पूर्वी पहाड़ों के ढालों पर जो समुद्र की ओर हैं ऐतिहासिक महासागरवाली हवाओं से उल्टा-उल्टा होती है, और भीतर से ओर जो भाग हैं वह भी गर्म हैं, परन्तु वसने उल्टा-उल्टा कम होती हैं। पर्यन्तों पर्वत और द्वीप के मैदान के सख्त के भाग और भी अधिक शुष्क हैं। यहाँ गर्मी तथा शीत दोनों परिमाण में अधिक होते हैं। आस्ट्रेलिया के इन प्रांतों में, जो दक्षिण में महाद्वीप के दोनों ओरों पर स्थित हैं तथा समभावित द्वीप में मूल-मूल मानसून का मा वनवायु है। आस्ट्रेलिया में पूर्वी पहाड़ों को छोड़ कर और कोई ऐसा भाग न मिलेगा जो जाड़े (जून, जुलाई) में अधिक ठंडा हो जाता हो। आस्ट्रेलिया में कभी कभी बिजुर बर्बा नहीं होती। घास के मैदानों में बर्बा का कमाव बड़ा ही हानिकारक होता है। किनारों की दूमलों के बरबाद होने के अतिरिक्त सहस्रों भेड़ें नर जाती हैं। आस्ट्रेलिया के वनवायु के विषय में यह स्मरण रखना आवश्यक है कि महा-द्वीप के किसी भी समुद्रतट में जहाँ जहाँ हम भीतर की ओर जाते हैं, इनको अधिक सूखे तथा निर्बल भाग मिलते जाते हैं।

वनस्पति—इन महाद्वीपों के वनस्पति के विभाग भी आस्ट्रेलिया के विभागों से बहुत मिलते-जुलते हैं। वनवायु के भागों के विचार से पहले वन हैं, फिर घास के मैदान हैं, जहाँ नरमपन हैं और इनके पश्चात् मूल-मूल मानसून का मा वनवायु है। वन अधिकतर मुख्य आस्ट्रेलिया के दक्खी किनारे पर जहाँ में जहाँ पूर्वी पहाड़ों पर हैं, क्योंकि वहाँ बर्बा की अधिकता रहती है और गर्मी भी अधिक रहती है। वहाँ के

मोटे धुने में मृकालिष्टस या मोले गोंद के पेड़ हैं। इनका गोंद नारंगी या बालिश करने और इनका तेल दवा के काम आता है। ये



मृकालिष्टस का पेड़

ये वारः दक्षिण-पश्चिम तथा पूर्व के भागों में पाये जाते हैं। इस नारंगी के अधिकतर पेड़ों की दक्षिण में तेज पाया जाता है जिनके कारण वे बड़ी से बड़ी गर्मी तथा शुष्क हवा के कारणों को सहन करके जीवित रह सकते हैं। दक्षिणी आस्ट्रेलिया के जंगलों के पेड़ों के समान हिन्दुस्तान और लद्दा की रेल्वे लाइन में 'मिन्स' बनाने के लिए लाये जाते हैं।

इस के रस कठिणधराते कम प्रकाश में रहनेवाले के पेड़, खट्टा, दम, दंत, तथा अन्य भागों का उपयोग दवा में होता है। इसकी पूरी भागों में कपड़े परागमयों में बने, धान, तन्हाई, मत्तों तथा मोले की कटाई का काम होता है। आस्ट्रेलिया

या तबिली बाल्टेरिया में गेहूँ बोया जाता है। न्यू
ग्विनी तथा विक्टोरिया झील के क्षेत्रों में इतना अधिक
सा पैसा है कि इन महादीप में सबसे से बचने पर विदेशों को
पैसा पड़ा है। उत्तमानिया तथा ऐसे प्रदेशों में जहाँ भू-
तला बना बंदरवा है फल अधिक उत्पन्न होते हैं।

जीवजन्तु—बाल्टेरिया में ऐसे बहुत से जीवजन्तु हैं जो
एक ही जगह किसी नाग में नहीं पाये जाते। इनमें बंगरु
बाल्टेर है। यह चलनेवाला पशु है, इसकी नासा के पेट के
एक पैरों पैरों होती है जिसमें यह चलने रखों को रख लेती
है जिससे चलने पशुओं में यहाँ एक विशेष प्रकार के पशु होते
पाये जाते हैं। यह पशुओं की भाँति एक बहुत भारीवाना पशु
होता है जिसकी रीढ़ लम्बाई ६ फीट होती है। इसके
में नहीं होते कि यह यह मछली पशु यह छोटे के समान तेज



(१) — (८) छात्रों-का ये समुदाय के मुख्य अंग तथा मुख्य
 विभाग के रूप में जानने हो ।

(९) पर विषय प्रकार और विषय विषय भागों में प्राप्त
 हो ।

(१०) — छात्रों-का 'इंग्लिश का एक सेवक' है, इस विषय में
 छात्रों का समझ प्रकट करो ।

(११) — छात्रों-का ये समुदाय और संस्कृत-विद्यालय में छात्रों के
 और छात्रों के विषय तथा संस्कृति में छात्रों का समझ है ।

संस्कृत

(१२) — छात्रों-का ये समुदाय पर संस्कृत-विद्यालयों का समझ, संस्कृत
 विषय का प्रयोग, तथा संस्कृत-विद्यालयों में छात्रों के और छात्रों
 के संस्कृत का समझ हो ।



चौथा अध्याय

न्यूज़ीलैंड तथा प्रशान्त महासागर के अन्य द्वीप

न्यूज़ीलैंड ब्रिटिश-राज्य का एक छोटा भाग है। इसका क्षेत्रफल विशाल है वहाँसा के क्षेत्रफल के तुल्य है। यह तसमानिया द्वीप से पूर्व की ओर अनुमान से १,००० मील की दूरी पर है। नक़्शे पर ध्यान से देखो ४०° दक्षिणी अक्षांश रेखा जो घास के जलसंयोजक में से होकर जाती है वही फुफ जलसंयोजक में होकर भी जाती है। यह जलसंयोजक उत्तरी द्वीप तथा दक्षिणी द्वीप के बीच में है। इस अक्षांश के पते से तुम न्यूज़ीलैंड के जल-वायु तथा वनस्पति का अनुमान कर सकोगे। ये दक्षिणी-पूर्वी अमेरेलिया के जल-वायु तथा वनस्पति से बहुत मिलते हैं।

न्यूज़ीलैंड शीतलापर्वत पहाड़ी देश है। यह उन उबाला-मुसी पहाड़ी द्वीपों के ठीक दक्षिण में है जिनकी खेती पश्चिम में पैसिफिक महासागर के किनारे किनारे होती हुई यहाँ आकर समाप्त होती है। इसलिए भूडोलों का खाना यहाँ एक साधारण बात है। यहाँ गर्म सोते जिनको गीसर कहते हैं, बहुत से हैं। इनमें से पौधारे के सारा जल की गर्म धाराएँ किसी किसी समय बहुत ऊँची उठती हैं।

उत्तरी तथा दक्षिणी द्वीप बनामट में एक दूसरे से सर्वथा भिन्न हैं। उत्तरी द्वीप मध्य में अत्यन्त ऊँचा है। यहाँ से उत्तर, दक्षिण, पूर्व तथा पश्चिम चारों ओर पहाड़ों की धेरियाँ गई हैं। इनमें कई उबाला-मुसी पहाड़ हैं जो इनारे देश के विन्डजाबल या पश्चिमी घाट से अधिक ऊँचे हैं। इनके समान नु. १२ अक्षर आया करता है।

निवासियों मनुष्यों पर रह कर जीवन-निर्वाह करते हैं। फ़ीजी द्वीपमनुष्य के बहुत-से द्वीपों में हिन्दुस्तानी किन्नानों-द्वारा पारसीय धनवान् लोग राई की खेती करते हैं। मक्का, धान, कपास, तथा गन्ना, सब इस द्वीप-मनुष्यों में बोया जाने लगा है।

प्रश्न

(१) न्यूजीलैंड का उत्तरी द्वीप दक्षिणी द्वीप से बनापट में किन किन बातों में नहीं मिलता ?

(२) न्यूजीलैंड के जल-वायु तथा वन्य जीव दक्षिणी-पूर्वी पार्सेलिया के जल-वायु तथा वन्य से तुलना करो।

अभ्यास

(१) न्यूजीलैंड के छह-एक बड़े बड़े पहाड़ और निम्नलिखित बातों का विवरण :—

कुक स्ट्रेट, आकलैंड; वेडिंगटन, माउन्ट कोक, धान के मैदान, रोमर या राने जल के पक्षारे, कौरी पक्ष के जंगल तथा भेड़ों का प्रदेश।



घन, निरुद्ध आदिमें तथा घोर घृष्टि के कारण बहुत उरते थे। ३०° उत्तर तथा ३०° दक्षिण अक्षांश के समीप की हवा की पेटियों तथा लुब्ध हवाओं को मानी 'हार्न लैंटीगूड' कहते हैं।

हवा की ये पेटियाँ सूर्य के साथ साथ उत्तर या दक्षिण की ओर बढ़ती रहती हैं। जब सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध पर बकेंछा के टीक पर चक्करा हुआ दिखाई पड़ता है तब गर्मी की अधिकता के कारण इन ओर के मध्य भाग का वायुमण्डल बहुत ही पतला हो जाता है और बकेंछा तथा विपुलत रेखा की पेटि उत्तर की ओर बढ़ जाती है। इसी प्रकार जब सूर्य दक्षिण की ओर मुका हुआ (दक्षिणापन) दिखाई पड़ता है तब ये सब पेटियाँ दक्षिण की ओर बढ़ जाती हैं। सूर्य के उत्तर या दक्षिण की ओर बढ़ने से स्थल-भागों की हवा के दबाव में बड़ा भारी परिवर्तन हो जाता है। दिन और रात में भी 'हवा के दबाव' में परिवर्तन होते रहते हैं, क्योंकि पृथ्वी के घूमने के साथ साथ इनके ऊपर का वायुमण्डल भी घूमता जाता है और कम से कम दो घंटा देना रहता है और मध्य तथा उत्तर-भाग अपने ऊपर की हवा को घंटा घुमाते रहते हैं और इनके दबाव में परिवर्तन पैदा करने रहते हैं। इसलिए वायुमण्डल की हवा के दबाव में स्थायी परिवर्तन होने के कारण घनघनशी 'ट्रेड' हवाओं के चलने के पक्षसे हवा के दबाव में दैनिक परिवर्तन होने के कारण उत्पन्न होनेवाली हवाओं का चलन पड़ता अत्यन्त आवश्यक है।

स्थल तथा जल की हवाएँ

हम जाना चुके हैं कि भूमि के समीप की हवा गर्म होकर पैराली है और जल की ओर ऊपर जाती है। समीप के छोटे प्रदेशों में गर्म तथा अधिक दबाववाली हवा इन गर्म हवा का स्थान ग्रहण करने के लिए दौड़ पड़ती है। हिन्दुस्तान ऐसे गर्म देशों के समुद्र-तट के समीप इस प्रकार की स्थानिक हवाएँ चलती हुई पावून होती हैं। प्रत्यक्ष

इसलिए सीतोष्ण कटिबन्ध के देशों में पश्चिमी समुद्र-तट पर पूर्वी समुद्र-तट की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। पशुपति हवाओं के प्रदेशों में उष्णोष्ण देशों के नगरों में कारम्माने नगरों के पूर्व में बनाये जाते हैं ताकि पशुपति हवाओं उनका धुंधला नगर की ओर न लाकर बमके विपरीत पूर्व की ओर बढ़ा ले जायें।

दुनिया के भिन्न भिन्न देशों का भौतिक वर्णन पढ़ने में हमें विदित हो जायगा कि भूमंडल पर चलनेवाली गर्म, ठण्डी हवा का भार में भरी हवाओं वही वही समुद्र की सतह में महापट्ट और की दृष्टी हानिकारक प्रतीत होती हैं। वही वही समुद्रों में हवाओं के रुक के अनुसार उच्च-भाग विरिचन दिने जाते हैं। रींगलानों में वही वही हवाओं इतनी अधिक बलू तथा धूल उड़ानी है कि वायु-मंडल धूल-कणों से परिपूर्ण हो जाता है और भार बढ़ना बजित हो जाता है। वही वही हवाओं के कारण वर्षा होती है तो वही वही हवाओं देह-नौषों की सम-वस का पानी सुखा देती हैं।

सीतोष्ण कटिबन्ध के देशों में बनी बनी पशुपति हवाओं तथा प्रचण्ड आंधियां इतनी अधिक मर्दों उरक कर देती हैं कि जाते के दिने में पानी बरफ बनकर बालका है। जाते के दिने में ईमानों के बहुत-से नगरों में लोग अपने अकालों में धनमंडिर नष्ट हो रहे हैं दिने देखकर ये मानस कर मर्दों कि हवा बिजली गर्म का मर्द है। दिन दिन मानसमान लोगों को विदित होता है कि मानसमान (धनमंडिर) वायु का तापक्रम 20° 30° का समसे भी कम रहता है तो वे मानस लेते हैं कि वा दिन बहुत ठण्डी गर्म और दिन दिन मानसमान 30° 40° हो गया उस दिन को वे बहुत मुताबक रहमान मानते हैं। गर्म के दिने में हवाओं का तापक्रम 30° से ऊपर 40° तक रहता है। जाते में भूय मानसों में हवाओं का तापक्रम पानी उमर के तापक्रम से बहुत कम रहता है। नतीजे हवाओं उरों की हवा बालों रहती है। उमर का कम उमर रहती है और बालों उर उर रहती है। उमर का कम उमर रहती है।

ऊपर के वर्णन से तुम समझ सके होगे कि भूमंडल के भिन्न भिन्न भागों में मनुष्यों के जीवन पर हवाओं का क्या प्रभाव पड़ता है ।

प्रश्न

१—हवाओं को कौन चलाता है ? हवाएँ क्यों कर दब चढ़ती रहती हैं ?

२—ट्रेडविंड, पबुवा, मानसून, स्थली हवाएँ, सामुद्रिक हवाएँ किसे कहते हैं ? ये दुनिया के किन भागों में चढ़ती हैं ? और क्यों ?

३—जीव जिनके के विषय में क्या जानने हो ?—

बोटडूब, गरजनवाली आजीमा, घोड़े का भचोट ।

४—हमको किस प्रकार प्रभावित करोगे कि हिन्दुसहामाल की ओर से चढ़नेवाली मानसून हवाएँ कबल कटिबन्ध में चढ़नेवाली हवाओं के दब के बिना चढ़ती हैं ? और क्यों ?

५—हवा के दबाव और तापक्रम में क्या सम्बन्ध रहता है ?

अभ्यास

१—दुनिया के नक्जों पर प्रश्न नं० २ तथा ३ की बातों को दिखाओ ।

२—दुनिया के हवाओं के नक्जों को देख कर इन दलों की पूरी तैयारी करो जिन पर (१) ट्रेड हवाएँ, (२) मानसून हवाएँ, (३) पबुवा हवाएँ चढ़ती हैं ।

३—दुनिया के हवाओं के नक्जों का देख कर बताओ कि हिन्दुसहामाला में कौनसी हवा जनवरी मास में हवाया ।। हवा किसे और का रहता है और पर अनुमान करो कि हिन्दुसहामाल के प्रदेशों पर हवाका क्या प्रभाव पड़ता होगा ।

मासिक वर्षा का औसत इन्चों में ।

नगर	ज०	फ०	मा०	ज०	म०	जून	जु०	अग०	सि०	अ०	न०	दि०
मुंबई	२-४	१-०	१-४	१-६	१-०	२-३	२-४	२-३	२-४	२-६	१-६	२-
कोलकाता	१	१-३	३-३	२-२	१२-०	१६-	१६	१४-२२-	४-४	१-१	१	
दिल्ली	०-४	१-०	१-२	२-३	३-६	११-	१३-	१३-	१०-	२-४	०-६	०-२

४—ऊपर लिखे हुए वर्षा के अंकों को आप्र. के रूप में दिखाओ और बताओ इन तीनों नगरों में औसत (१) सबसे अधिक गर्म (२) सबसे अधिक ठंडा है, और बर । क्या तुम अनुमान से पता सकते हो कि इन स्थानों में औसत हवायें पालती होंगी ?

५—निम्नलिखित नगरों के मासिक तापक्रम को आप्र. के रूप में दिखाओ ।

(तापक्रम फारेनहाइट डिग्री में)

नगर	ज०	फ०	मा०	ज०	म०	जून	जु०	अग०	सि०	अ०	न०	दि०
मुंबई	०४	०२	०६	०२	०२	०३	००	००	०१	००	००	०६
कोलकाता	६२	००	०६	०२	०२	०३	००	००	००	००	००	०६
दिल्ली	२	२३	३	०१	००	०२	०३	००	०२	००	०३	०२

इन नगरों के तापक्रम को आप्र. में दिखाएँ बताओ —

- (१) औसत ताप क्या वह बहुत गर्म या बहुत ठंडा होगा है ?
- (२) ताप क्या है गर्म और ठंडा ?
- (३) ताप क्या है गर्म और ठंडा ?

